

डॉ. रॉबर्ट चिशोल्म, 1 और 2 सैमुअल, सत्र 27, 2 सैमुअल 22-23

© 2024 रॉबर्ट चिशोल्म और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 27 है। द लॉर्ड इज़ माई रॉक कविता, अध्याय 22; डेविड कविता के अंतिम शब्द, अध्याय 23:1-7।

अपने अगले पाठ में, हम उन दो कविताओं को देखेंगे जो सैमुअल की पुस्तकों के उपसंहार में दिखाई देती हैं। 2 शमूएल 22, जो एक लंबी कविता है, 51 छंद, जिसे दाऊद ने प्रभु के लिए तब गाया जब प्रभु ने उसे शीर्षक के अनुसार उसके सभी शत्रुओं और शाऊल के हाथ से बचाया था। तो, डेविड इस विशेष कविता में प्रभु की सुरक्षा और प्रावधान का जश्न मनाएंगे।

और फिर हम 2 शमूएल 23, श्लोक 1 से 7 तक की छोटी कविता को भी देखने जा रहे हैं, जो डेविड के अंतिम शब्द हैं। मैंने 2 शमूएल 22 का शीर्षक रखा है, प्रभु मेरी चट्टान है। और इस कविता में डेविड यह कहने जा रहे हैं कि प्रभु अपने चुने हुए सेवकों की रक्षा करते हैं।

यहोवा ने दाऊद को उन लोगों से बचाया जो उसका विरोध करते थे, और उसने दाऊद को उन कार्यों को पूरा करने में सक्षम बनाया जो उसने उसे करने का आदेश दिया था। मैं इसे भगवान मेरी चट्टान कहता हूँ क्योंकि वह रूपक, भगवान मेरी चट्टान है, कविता की शुरुआत में, कविता के मध्य में और कविता के अंत में दिखाई देता है। यह स्पष्ट है कि डेविड के दिमाग में यह एक केंद्रीय विषय है।

और इसलिए, हमें इस बारे में थोड़ी बात करनी होगी कि चट्टान का क्या अर्थ है। जब मैं एक चट्टान के बारे में सोचता हूँ, ठीक है, भगवान मेरी चट्टान है, तो क्या इसका मतलब यह है कि यह एक चट्टान है जिसे मैं नीचे तक पहुंचा सकता हूँ और उठाकर किसी पर फेंक सकता हूँ? मैं शायद एक बड़ी चट्टान को एक बाधा या कुछ और के रूप में सोच सकता हूँ। यह विशेष शब्द, हिब्रू शब्द सुर, एक चट्टानी चट्टान, एक चट्टानी इलाके को संदर्भित करता है।

डेविड के करियर के विवरण से हम जानते हैं कि वह अक्सर इस तरह के इलाके में जाकर शाऊल और अन्य दुश्मनों से शरण लेता था क्योंकि जब आप चट्टानी इलाके में जाते हैं तो यह आपको अपेक्षाकृत दुर्गम बना देता है। और इसलिए, दाऊद ने प्रभु को इसी तरह देखा। यहोवा मेरे लिये शरणस्थान है।

मैं उसमें शरण ले सकता हूँ, जैसे कि जब मैं चट्टानी इलाके में जाता हूँ और जब मैं उस तरह की स्थिति में होता हूँ तो मेरे दुश्मनों के लिए मुझे दूँढना और मुझ तक पहुंचना बहुत मुश्किल होता है। और इसलिए, हम वास्तव में इसे ऐसे रूप में परिभाषित कर सकते हैं जैसे कि प्रभु मेरा रक्षक है न कि प्रभु मेरी चट्टान है। लेकिन यह इस लंबी कविता का एक प्रमुख विषय है।

यह कविता भजन 18 में भी दिखाई देती है। जब आप दोनों की तुलना करते हैं तो कुछ मामूली भिन्नताएं होती हैं, लेकिन हमारे पास डेविड द्वारा लिखी गई एक कविता के दो संस्करण हैं। तो, आइए गोता लगाएँ।

इस कविता के परिचय में, डेविड अपने उद्धारकर्ता और संरक्षक के रूप में प्रभु के बारे में बात करने जा रहा है। वास्तव में, श्लोक दो और तीन में, वह नौ रूपकों का उपयोग करने जा रहा है और वे सभी भगवान के बारे में रक्षक और उद्धारकर्ता के रूप में बात कर रहे हैं। तो, वह इस तरह से शुरू करता है, प्रभु मेरी चट्टान, मेरा गढ़ और मेरा उद्धारकर्ता है।

मेरा परमेश्वर मेरी चट्टान है जिसका मैं शरण लेता हूँ, वह मेरी ढाल और मेरे उद्धार का सींग है। यह एक अजीब रूपक है, लेकिन वह यहाँ संभवतः बैल के सींग का उल्लेख कर रहा है। और विचार जंगली बैलों की लड़ाई का है, और सींग उनका हथियार है, सींग उनका हथियार है जिसका वे उपयोग करते हैं।

और वह अनिवार्य रूप से कह रहा है, प्रभु मेरे लिए ऐसे ही हैं। वह मेरे उद्धार का सींग है। वह बाहर जाता है और मेरे शत्रुओं पर जंगली बैल की तरह आक्रमण करता है और मुझे विजय और मुक्ति दिलाता है।

वह मेरा गढ़, मेरा शरणस्थान, और मेरा उद्धारकर्ता है। इसलिए, जब हम उस सूची को पढ़ते हैं, तो संभवतः आपने देखा होगा कि रूपक ईश्वर को रक्षक, गढ़, आश्रय, चट्टान, किला और मोक्ष, उद्धार और उद्धार के रूप में इंगित करते हैं। वे अवधारणाएँ भी प्रकट होती हैं।

तू मुझे हिंसक लोगों से बचाता है। मैं ने यहोवा को पुकारा, जो स्तुति के योग्य है, और जो मेरे शत्रुओं से बचा है। यहां इतनी जल्दी, हम समझते हैं कि डेविड यह स्पष्ट कर रहा है कि वह इस भजन में इस तथ्य के लिए प्रभु की स्तुति करने जा रहा है कि प्रभु जीवन भर उसके साथ रहे हैं जब उसने कई दुश्मनों का सामना किया है।

उसके दुश्मन भीतर ही थे। इस्राएल राष्ट्र के भीतर शाऊल जैसे शत्रु थे, और बहुत से विदेशी शत्रु भी थे जिनका युद्ध के मैदान में दाऊद को सामना करना पड़ा। भजन के पहले भाग में, श्लोक 5 से 20 तक, डेविड प्रभु द्वारा उसे छुड़ाने पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा है।

और फिर वह इस बारे में थोड़ा सामान्यीकरण करने जा रहा है कि प्रभु ने उसे क्यों बचाया क्योंकि वह प्रभु के प्रति वफादार रहा है। और फिर वह प्रभु के न्याय के बारे में थोड़ी बात करने जा रहा है। और फिर स्तोत्र के दूसरे भाग में, वह युद्ध के मैदान के अनुभव पर ध्यान केंद्रित करने जा रहा है, और वह इस बात को स्पष्ट करने जा रहा है कि प्रभु ही वह व्यक्ति है जिसने उसे युद्ध के लिए उत्साहित किया, उसके हाथों को युद्ध के लिए प्रशिक्षित किया, जैसे कि उसे अपना अधिकार दिया हो हथियार, कार्य के लिए भगवान के लगभग विशेष हथियार।

और प्रभु ही वह है जिसने उसे युद्ध के मैदान में हाथ से हाथ मिलाकर लड़ने और ठोकर खाने और गिरने से बचने और जीत हासिल करने में सक्षम बनाया। और फिर वह प्रभु की और अधिक

स्तुति के साथ अपनी बात समाप्त करता है जो उसने उसके लिए किया है। कविता के इस पहले खंड में, डेविड बहुत सारी आलंकारिक या रूपक भाषा का उपयोग करने जा रहा है।

वह खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में चित्रित करने जा रहा है जो डूबने के लिए तैयार था। पद 5 में वह कहता है, मृत्यु की लहरों मेरे चारों ओर घूम रही थीं। विनाश की मूसलाधार लहरों ने मुझे अभिभूत कर दिया।

वह मौत की तुलना बढ़ते पानी से करता है जिसमें आप डूब सकते हैं। और उस ने कहा, मैं इस जल में फंस गया हूँ। मैं बिल्कुल उनके बीच में था, और वे मेरे चारों ओर घूम रहे थे।

अब वह अपने अनुभव के शाब्दिक अनुभव के बारे में बात नहीं कर रहा है। मृत्यु की लहरों और विनाश की प्रचंडता, उन शत्रुओं के रूपक हैं जिनका उसने सामना किया था और जिनसे उसके जीवन को खतरा था। लेकिन वह यह स्पष्ट कर रहे हैं कि ऐसे कई मौके आए जब उनकी जान को खतरा हुआ, ठीक वैसे ही जैसे डूबते हुए आदमी की जान को खतरा होता है।

और फिर श्लोक 6 में, वह कहता है, कब्र की रस्सियाँ मेरे चारों ओर लिपटी हुई हैं। मृत्यु के फन्दे मेरे सामने आ खड़े हुए। यहां वह मौत को एक शिकारी के रूप में चित्रित कर रहा है जो अपने शिकार को फंसाने के लिए डोरियों और जालों, रस्सियों का उपयोग करता है।

और वह कह रहा है, कई बार मुझे ऐसा महसूस हुआ मानो मौत ने मुझे अपने जालों और रस्सियों से फंसा लिया है। मैं कई-कई बार मुसीबत में पड़ा। भजन के इस पहले भाग को हम धन्यवाद गीत कहते हैं, जहाँ भजनकार अपनी ज़रूरत के समय को याद करेगा, मदद के लिए अपनी पुकार को याद करेगा, और फिर इस बारे में बात करेगा कि प्रभु ने उसे कैसे बचाया।

और डेविड यहां यही करने जा रहा है। अपने संकट में, मैंने प्रभु को पुकारा। मैंने अपने भगवान को पुकारा।

उसने अपने मन्दिर से मेरी आवाज सुनी। मेरी पुकार उसके कानों तक पहुँची। और डेविड यहां स्वर्गीय मंदिर के बारे में बात कर रहे हैं, क्योंकि हम प्रभु को बादलों के माध्यम से, आकाश के माध्यम से उसे छुड़ाने के लिए आते हुए देखेंगे।

तो, प्रभु वहाँ से आ रहे हैं। इसलिए, डेविड कई बार मौत के जाल में फंसा। उसने हस्तक्षेप और सहायता के लिए प्रभु को पुकारा।

और यहोवा ने दाऊद की दोहाई सुनी। और फिर अगले छंदों में हमें जो मिलता है उसे हम काव्यात्मक थियोफनी कह सकते हैं। यह काव्यात्मक रूप में है।

यह आलंकारिक है। जहां तक हम जानते हैं, ऐसा अनुभव पहले कभी नहीं हुआ था जब प्रभु डेविड को बचाने के लिए तूफान में बादलों के माध्यम से आए थे। डेविड, यह बहुत काव्यात्मक है।

यह एक थियोफनी है कि प्रभु इस मार्ग में दृश्य रूप में प्रकट हो रहे हैं। वह डेविड को पहुंचाने आ रहा है। और इसलिए, चित्र प्राप्त करें।

डेविड मौत के जाल में फंस गया है। वह प्रभु को पुकारता है। प्रभु सुनता है, और प्रभु यहाँ आते हैं।

श्लोक 8, पृथ्वी कांप उठी और काँप उठी। आकाश की नींव, जो पहाड़ होंगे, हिल गईं। वे कांप उठे क्योंकि वह क्रोधित था।

उसके नथुनों से धुआँ उठ रहा था। उसके मुँह से भस्म करने वाली अग्नि निकली। उसमें से जलते हुए कोयले धधक रहे थे।

तो, भगवान इस थियोफनी में आग और धुआँ सांस लेते हुए आते हैं। उसने स्वर्ग को विभाजित किया और नीचे आया। उसके पैरों के नीचे काले बादल छाये हुए थे।

वह करूब पर चढ़कर उड़ गया। तो, इन पंख वाले, आधे मानव, आधे जानवर प्रकार के प्राणियों में से एक पर भगवान को तेजी से सवारी करते हुए चित्रित किया गया है। वह हवा के पंखों पर उड़ गया।

उसने अँधेरे को अपने चारों ओर अपना छत्र बना लिया। आकाश के काले बरसाती बादलों में, उसकी उपस्थिति की चमक से बिजली चमकने लगी। प्रभु स्वर्ग से गरजे।

परमप्रधान की आवाज गूँज उठी। तो, प्रभु तूफान में आ रहे हैं। मुझे लगता है कि इस अनुच्छेद में विवाद का एक तत्व है, जैसा कि 1 शमूएल 2 में हन्ना के गीत में था। कनानी लोग भगवान बाल में विश्वास करते थे।

वह तूफान का देवता था जो तूफान में आता था। डेविड मूल रूप से कह रहा है, नहीं, मेरे भगवान, यहोवा, इसराइल के भगवान, वह है जो उन सभी को नियंत्रित करता है, और वह तूफान में आता है। और उसने तीर चलाकर शत्रु को तितर-बितर कर दिया।

बिजली की तेज तीव्रता से उसने उन्हें मार गिराया। यहोवा की डांट से, और उसके नयनों से सांस के झोंके से, समुद्र की घाटियाँ खुल गईं, और पृथ्वी की नेवें खुल गईं। तो, दाऊद मौत के पानी में फंस गया है।

प्रभु इस शक्तिशाली थियोफनी में आते हैं, गरजते हुए, दुश्मन के खिलाफ एक शक्तिशाली योद्धा के रूप में बिजली के बोल्ट फेंकते हैं। और वह नीचे पहुंचने वाला है। श्लोक 17, वह ऊपर से नीचे पहुंचा और मुझे पकड़ लिया।

उसने मुझे गहरे पानी से बाहर निकाला। उसने मुझे मेरे शक्तिशाली शत्रु से बचाया, मेरे शत्रुओं से जो मेरे लिए बहुत शक्तिशाली थे। डेविड के साथ कोई घमंड नहीं, मैं शक्तिशाली योद्धा हूँ और कोई भी मेरे सामने खड़ा नहीं हो सकता।

नहीं, जब वह गोलियथ और उसके जैसे अन्य लोगों के खिलाफ युद्ध के मैदान में कदम रखता है तो उसे अपनी कमजोरी का बहुत एहसास होता है। और उसे एहसास होता है कि भगवान ने हमेशा उसकी ओर से हस्तक्षेप किया है। और यह कविता हमें यह समझने में मदद करती है कि जब डेविड युद्ध में था तो उसे कैसा महसूस हुआ।

उसे ऐसा महसूस हुआ मानो मौत उसके चारों ओर है, लेकिन जब उसने अपनी जीत हासिल की तो उसे इस तथ्य का भली-भांति एहसास हुआ कि यह भगवान ही थे जो उसे सशक्त बना रहे थे। यह ऐसा था मानो प्रभु उसे छुड़ाने के लिए आकाश से नीचे आ रहे हों। मेरी विपत्ति के दिन उन्होंने मेरा सामना किया, परन्तु प्रभु मेरा सहारा थे।

वह मुझे बाहर एक विशाल स्थान में ले आया। उसने मुझे बचाया क्योंकि वह मुझसे प्रसन्न था। तो चित्र यह है कि डेविड डूब रहा है।

मौत ने उस पर कब्जा कर लिया है। मृत्यु का जल उसके चारों ओर घूम रहा है। वह नीचे जाने के लिए तैयार है।

और यहोवा नीचे आता है और पानी को उड़ा देता है और दाऊद को बाहर खींच लेता है और उसे एक सुरक्षित, खुले स्थान में रख देता है। और जैसा कि भजन के शीर्षक से स्पष्ट होता है, डेविड अपने सभी शत्रुओं के विरुद्ध अपने अनुभव का काव्यात्मक रूप से वर्णन कर रहा है। डेविड अब रुकने वाला है और वह भगवान के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करने जा रहा है।

और पद 21 में वह कहता है, यहोवा ने मेरे धर्म के अनुसार मुझ से व्यवहार किया है। मेरे हाथों की सफाई के अनुसार उसने मुझे प्रतिफल दिया है। क्योंकि मैं ने यहोवा के मार्गों का पालन किया है, और मैं अपने परमेश्वर से फिरने का दोषी नहीं हूँ।

उसके सारे कानून मेरे सामने हैं। मैं ने उसकी आज्ञाओं से मुंह नहीं मोड़ा। मैं उसके सामने निर्दोष रहा हूँ और अपने आप को पाप से दूर रखा है।

यहोवा ने मुझे मेरे धर्म के अनुसार, और उसकी दृष्टि में मेरी शुद्धता के अनुसार प्रतिफल दिया है। यह शायद आपके लिए खतरे की घंटी बजा रहा है क्योंकि आपको एहसास है कि डेविड ऐसे बात कर रहा है जैसे कि वह एकदम सही हो, जैसे कि उसने भगवान के कानून को हर विवरण में रखा हो, और यह स्पष्ट रूप से मामला नहीं है। जाहिर है, 2 शमूएल 11 और 12 में, उसने दस आज्ञाओं में से चार को तोड़ा, जिसमें व्यभिचार और हत्या भी शामिल थी।

तो उस तरह का इतिहास वाला व्यक्ति इस तरह से कैसे बात कर सकता है? कुछ लोगों ने कहा, ठीक है, उसने यह सब कुछ होने से पहले ही लिखा होगा। फिर भी, वह पूर्ण नहीं था। और ऐसा लगता है जैसे, इस भजन के शीर्षक के आधार पर, यह दाऊद के कैरियर के अंत की ओर आया, जब प्रभु ने उसे उसके सभी शत्रुओं से मुक्ति दिला दी थी।

ऐसा प्रतीत होता है कि वह नैतिक पूर्णता और प्रभु की वाचा की माँगों के प्रति अटूट निष्ठा का दावा कर रहा है। लेकिन उसकी नैतिक विफलताओं और कमियों को देखते हुए, वह यहाँ कुछ पूर्ण अर्थों में निर्दोष होने का दावा नहीं कर सकता है। आप डेविड द्वारा लिखे गए अन्य भजनों को देखें, और वह अपनी पापपूर्णता के बारे में बहुत जागरूक है, और वह अपने पापों को स्वीकार करता है।

और इसलिए, मुझे लगता है कि हमें इसे एक अधिक सामान्य प्रकार के अंश के रूप में देखना होगा जो उस विश्वदृष्टिकोण को दर्शाता है जिसे हम भजनों में देखते हैं। भजनों में, यह कभी-कभी काला या सफेद होता है। वहाँ बहुत सारा भूरा रंग नहीं है।

कुछ धर्मी लोग हैं जो परमेश्वर के पक्ष में हैं, और कुछ ऐसे दुष्ट हैं जो परमेश्वर के शत्रु हैं। दाऊद ने, अवसर पर, प्रभु का नियम तोड़ा। उसने पाप किया और एक तरह से खुद को दुश्मन की स्थिति में डाल दिया।

लेकिन मूल बात यह है कि, दाऊद परमेश्वर के अपने मानकों के अनुसार धर्मी लोगों में से एक था। उसका हृदय परमेश्वर के पीछे था, और यहोवा ने यह देखा, और उसने दाऊद को चुन लिया। तो, इस भाषा का अर्थ यह नहीं है कि डेविड ने सोचा कि वह निर्दोष था और वह सिर्फ अपने पापों, अपने महान पापों के बारे में भूल रहा है।

लेकिन मुझे लगता है कि वह कह रहे हैं, मैं भगवान के वफादार अनुयायियों में से एक था। मैं प्रभु के पक्ष में था। इसे थोड़ा बढ़ा-चढ़ाकर कहा जा सकता है, लेकिन यह दिलचस्प है कि जब आप पूर्व भविष्यवक्ताओं के माध्यम से आगे बढ़ते हैं और राजाओं की किताबों में अपना रास्ता बनाते हैं, तो प्रभु डेविड को एक धर्मी, प्रभु के वफादार अनुयायी के उदाहरण के रूप में रखते हैं।

डेविड राजाओं के लिए आदर्श बन जाता है, जिसके आधार पर बाद के राजाओं को मापा जाता है। और आप अक्सर पढ़ेंगे, इस राजा ने दाऊद की तरह पूरे दिल से प्रभु का अनुसरण नहीं किया। और यह बात प्रभु स्वयं कहते हैं।

और कभी-कभी तुम्हें आश्चर्य होता है, क्या प्रभु ने शमूएल की पुस्तकें पढ़ी हैं? जाहिर तौर पर वह डेविड के करियर के बारे में जानता है, लेकिन इस समय, भगवान ने यह सब हमारे पीछे रखना चुना है, और वह एक वफादार सेवक के रूप में डेविड पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है और उसे एक उदाहरण के रूप में रखना चाहता है। और दाऊद प्रभु का एक वफादार अनुयायी था। दाऊद के बारे में आप एक बात कह सकते हैं, वह मूर्तिपूजक नहीं था।

और इन राजा के अनुच्छेदों में, वह फोकस प्रतीत होता है। ये लोग दाऊद के विपरीत, अन्य देवताओं की पूजा कर रहे थे। डेविड, कहो तुम उसके बारे में क्या चाहते हो।

वह सदैव आज्ञा का पालन नहीं करता था। उन्होंने कभी-कभी सत्ता को अपने ऊपर हावी होने दिया। लेकिन वह मूर्तिपूजक नहीं है।

मुझे कहानी में एक जगह दिखाओ जहाँ डेविड को मूर्तिपूजक के रूप में चित्रित किया गया है। और यह प्रभु के साथ बहुत कुछ दर्शाता है। और इसलिए, अंततः प्रभु ने डेविड की सकारात्मकताओं पर ध्यान केंद्रित करना चुना, और मुझे लगता है कि डेविड यहां यही कर रहा है।

तो, यदि प्रभु दाऊद को इस तरह देखने जा रहे हैं, तो अंततः, दाऊद स्वयं इन शब्दों में बात क्यों नहीं कर सकता? वह कह रहा है, प्रभु ने मुझे इन स्थितियों से बचाया क्योंकि मैं उसकी लड़ाई लड़ रहा था। मैं उसकी तरफ था। मैं उसके प्रति वफादार था।

और इसलिए यहां जो कुछ हो रहा है, उसके लिए शायद यह पूरी तरह से संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि डेविड का फोकस इसी पर है। मैं इसकी तुलना, मान लीजिए, एक ऐसे व्यक्ति से करता हूँ जिसकी मैं बहुत प्रशंसा करता हूँ, डलास सेमिनरी के पूर्व अध्यक्ष, जो एक उपदेशक के रूप में जाने जाते हैं, चक स्विंडोल।

या हम बिली ग्राहम के बारे में सोच सकते हैं। और यदि मैंने कहा, चक स्विंडोल एक धर्मी व्यक्ति है, प्रभु का अनुयायी है। बिली ग्राहम लॉर्ड्स की तरफ थे।

वह प्रभु का एक धर्मी अनुयायी था। इसके विपरीत, आप नाम भरें, मैं ऐसा नहीं करूंगा, वहां कोई भयानक व्यक्ति है, आप जानते हैं, एडॉल्फ हिटलर या उसके जैसा कोई व्यक्ति, या बहुत सारे लोग। आपको उन दुष्ट लोगों के उदाहरण ढूंढने के लिए दूर जाने की ज़रूरत नहीं है जो परमेश्वर के विरोधी हैं।

यदि मैं उस संदर्भ में कहूँ, इस व्यक्ति के विपरीत चक स्विंडोल या बिली ग्राहम एक धर्मी व्यक्ति हैं, तो आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। लेकिन कभी-कभी एक दूसरा पक्ष भी होता है जिसे हम बाइबल में देखते हैं। बाइबिल साथ आएगी, पॉल कहेगा, हर कोई पापी है।

प्रभु यीशु मसीह को छोड़कर हर कोई परमेश्वर से अलग हो गया है। और चक स्विंडोल और बिली ग्राहम यह स्वीकार करने वाले पहले व्यक्ति होंगे कि वे पापी थे, फिर भी भगवान की कृपा से उन्हें छुटकारा मिल गया। तो, यह इस पर निर्भर करता है कि आप इसे कैसे देखते हैं।

यदि आप पाप पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं, हाँ, हम सभी पापी हैं। लेकिन फिर भी, कुछ पापियों ने पाप से पश्चाताप किया है और वे परमेश्वर के पक्ष में आ गये हैं। प्रभु उन्हें यहाँ ले आए हैं और वे अब प्रभु के अनुयायी हैं।

भजन इसे इसी तरह से देखते हैं। यहाँ पर इस दुष्ट व्यक्ति के विपरीत बिली ग्राहम का धर्मी व्यक्ति है। बिली ग्राहम प्रभु के पक्ष में हैं।

वह प्रभु के इन शत्रुओं के विपरीत प्रभु के हितों को बढ़ावा दे रहा है। और डेविड यहाँ यही कह रहा है। अपने सभी युद्धों और लड़ाइयों के संदर्भ में, वह भगवान के पक्ष में था और वह भगवान के प्रति वफादार था और उसने कभी भी अन्य देवताओं की पूजा नहीं की।

और इसलिए हो सकता है कि वह जोर देने के लिए इसे थोड़ा बढ़ा-चढ़ा कर कहे। शायद यहाँ थोड़ी अतिशयोक्ति है। परन्तु फिर भी, दाऊद एक धर्मी व्यक्ति है।

और प्रभु, जब दाऊद ने अपने पाप से पश्चाताप किया, तो प्रभु ने आगे बढ़ना चुना। यदि आप शेर, चुड़ैल और अलमारी से परिचित हैं, तो आपको याद होगा कि एडमंड ने कुछ बहुत बुरे काम किए थे। वह सफ़ेद चुड़ैल के साथ मिल गया और सभी प्रकार की समस्याएँ खड़ी कर दी।

और सफ़ेद चुड़ैल उसे मारने के लिए तैयार थी। लेकिन फिर असलान ने कदम उठाया और एडमंड को सजा दे दी। और बाद में, जब असलान एडमंड को अपने भाई और बहनों के पास लाता है, जो अपने भाई से बहुत परेशान हैं, तो असलान एडमंड को सौंप देता है और वह कहता है, यहाँ तुम्हारा भाई है।

अतीत में क्या हुआ, इस बारे में उनसे बात करने की कोई जरूरत नहीं है! ऐसा लगता है मानो असलान कह रहा हो, हम यहां से आगे बढ़ेंगे। एडमंड को उसका सबक सिखाया गया है और वह मेरी सेवा करने के लिए तैयार है।

और हम इसी पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं। और राजाओं की पुस्तकों में यहोवा दाऊद के साथ यही करता है। और डेविड अपने करियर को उस सुविधाजनक दृष्टि से देख रहा है जिस दृष्टि से प्रभु इसे देखता है, मुझे लगता है, राजाओं की पुस्तकों में।

खैर, हमने इसके बारे में काफी कुछ कहा है। पर चलते हैं। डेविड पद 26 और 27 में प्रभु के न्याय के बारे में सामान्यीकरण करने जा रहा है।

वह वफ़ादारों से कहता है, तुम अपने आप को वफ़ादार दिखाओ। निर्दोष को तुम अपने आप को निर्दोष दिखाते हो। वह यहां प्रभु से बात कर रहा है।

पवित्र को तुम अपने को पवित्र दिखाओ। दाऊद जो कह रहा है वह यह है कि प्रभु उन लोगों के लिए सदैव विश्वासयोग्य, निर्दोष और शुद्ध साबित होंगे जो स्वयं ऐसे हैं। आप देखेंगे, कि ईश्वर आपकी प्रतिक्रिया करेगा और उस तरह से प्रतिक्रिया देगा जो आपके चरित्र को प्रतिबिंबित करता है।

इसलिए, यदि आप वफ़ादार, निर्दोष और शुद्ध होने का प्रयास कर रहे हैं, तो आपको भगवान के बारे में चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। वह आपको इसमें प्रोत्साहित करेगा और आपकी मदद करेगा। एनआईवी श्लोक 27 के दूसरे भाग का अनुवाद करता है, लेकिन कुटिल लोगों के लिए, आप अपने आप को चतुर दिखाते हैं।

मुझे नहीं लगता कि यह सर्वोत्तम अनुवाद है। मैं इसे इस तरह अनुवाद करना पसंद करूंगा, आप उस व्यक्ति के लिए धोखेबाज साबित होते हैं जो विकृत है। और दाऊद यहां जो कह रहा है वह यह है, कि परमेश्वर के शत्रु जो विकृत हैं, वे जान लें कि परमेश्वर उन्हें गिराने के लिये छल का प्रयोग करेगा।

और हम बाइबल में इसके उदाहरण देखते हैं। लोग सत्य पर अपना अधिकार खो देते हैं। 1 राजा 22, दुष्ट राजा अहाब हर समय झूठे भविष्यवक्ताओं को सुनने पर जोर देता है।

और इसलिए, भविष्यवक्ता मीकायाह, जो उस अवसर पर प्रभु का सच्चा भविष्यवक्ता है, वह अहाब से वही कहता है जो झूठे भविष्यवक्ता कह रहे हैं। हाँ, बाहर जाओ और लड़ो, तुम लड़ाई जीतोगे। अहाब यही सुनना चाहता है।

अहाब अपने आप से कहता है, एक मिनट रुको, तुम मेरे बारे में सकारात्मक बातें कह रहे हो। आप ऐसा कभी न करें. तुम हमेशा मेरा विरोध करते रहते हो.

अतः मैं तुम्हें शपथ दिलाता हूँ। तुम्हें मुझे सच बताना होगा. इस बिंदु पर, मीकायाह, जो धोखे में लगा हुआ था, कहता है, ठीक है, यहाँ स्वर्गीय परिषद में क्या हुआ।

प्रभु ने आपका न्याय करने का निश्चय किया है। और महासभा में उस ने कहा, कौन निकलकर अहाब को धोखा देगा? प्रभु ने एजेंडा को धोखे के रूप में निर्धारित किया है। और अलग-अलग प्रस्ताव रखे गए हैं।

और फिर आत्मा, और मुझे लगता है कि यह उस आत्मा के बारे में बात कर रहा है जो भविष्यवक्ताओं को सक्रिय करता है, पवित्र आत्मा, कहता है, मैं बाहर जाऊंगा और उसके भविष्यवक्ताओं के मुँह में झूठ बोलने वाली आत्मा बनूंगा। और प्रभु कहते हैं, ऐसा करो। तो पूरा एजेंडा धोखा है.

और मीकायाह अहाब को धोखा दे रहा था क्योंकि वह यह समझ गया था। वह समझ गया कि हम उसे धोखा दे रहे हैं। वस्तुतः इस अवसर पर प्रभु स्वयं उन भविष्यवक्ताओं के माध्यम से बोल रहे हैं।

लेकिन इसकी विडंबना यह है कि अहाब मीकायाह से सच्चाई उगलवाता है और फिर भी झूठे भविष्यवक्ताओं पर विश्वास करता है। वह बाहर चला जाता है और युद्ध में मारा जाता है। लेकिन यह धोखे का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

और यह पुराने नियम तक ही सीमित नहीं है। जब आप नए नियम में आते हैं और अंत समय के बारे में पढ़ते हैं, तो आप पढ़ते हैं कि प्रभु उन लोगों पर एक भ्रामक प्रभाव डालने जा रहे हैं जिन्होंने शैतान के झूठे संदेश पर विश्वास करने का फैसला किया है। और इसलिए, भविष्य में धोखे का समय आने वाला है जहाँ भगवान लोगों को उनके अपने दर्शन और डिजाइन के हवाले कर देंगे।

और इसलिए, यह सब धोखे के अंतर्गत आता है। और आप सोच सकते हैं कि भगवान के लिए ऐसा करना उचित नहीं है। लेकिन एक टिप्पणीकार के रूप में, जेए अलेक्जेंडर ने इस मार्ग के बारे में कहा, आगे बढ़ने का वही तरीका जो अपने आप में या किसी धर्मी व्यक्ति के प्रति विकृत होगा, जब किसी पापी के प्रति अपनाया जाता है, तो वह केवल प्रतिशोधात्मक न्याय का कार्य बन जाता है।

इसलिए दैवीय धोखा, जब पापियों के खिलाफ लागू किया जाता है, तो यह उनके लिए ईश्वर की उचित सजा का हिस्सा होता है। और उसे ऐसी स्थितियों में धोखे का उपयोग करने का अधिकार है। डेविड आगे कहते हैं, अपने भगवान के साथ, मैं दीवार फांद सकता हूँ।

मुझे लगता है कि उस अनुवाद को थोड़ा धीमा कर दिया गया है। यहां जिस हिब्रू क्रिया का प्रयोग किया गया है उसका वास्तव में मतलब छलांग लगाना या झरना है। तो, डेविड कह रहा है, अपने भगवान के साथ मैं एक दीवार पर छलांग लगा सकता हूँ।

तो, डेविड भजन के दूसरे भाग में अपना कदम रखना शुरू कर रहा है जहां वह इस बारे में बात करने जा रहा है कि कैसे भगवान ने उसे युद्ध के लिए उत्साहित किया और उसे युद्ध के मैदान में जीत हासिल करने में सक्षम बनाया। वह श्लोक 31 में कहते हैं, जहां तक ईश्वर की बात है, उसका मार्ग उत्तम है। प्रभु का वचन निर्दोष है।

वह उन सभी की रक्षा करता है जो उसकी शरण में आते हैं। जब वह यहाँ प्रभु के वचन के दोषरहित होने की बात करता है, तो मुझे नहीं लगता कि वह बाइबल के बारे में बात कर रहा है। हम उन शब्दों को ले सकते हैं और उन्हें बाइबल पर लागू कर सकते हैं।

लेकिन जिस मूल संदर्भ में डेविड बोल रहा है, वह युद्ध का संदर्भ है, मुझे लगता है कि डेविड मुक्ति के दैवज्ञों के बारे में बात कर रहा है जो भगवान ने उसे युद्ध से पहले प्रदान किया था। और हमने इनमें से कुछ के बारे में सैमुअल में पढ़ा है जहां डेविड कहता था, अगर मैं यहां रहूँ, तो क्या शाऊल आएगा? क्या वे मुझे उसे सौंप देंगे? यहीवा कहता है, हाँ, वह आएगा और वे तुम्हें पकड़वा देंगे। और इसलिए डेविड चला गया।

अन्य अवसरों पर जब दाऊद किसी शत्रु का सामना कर रहा होता है और वह प्रभु से पूछता है, 2 शमूएल 5, हम इसके कुछ अच्छे उदाहरण देखते हैं। और मुझे लगता है कि डेविड यहां जो कह रहा है, वह यह है कि जब भी मैं युद्ध से पहले प्रभु के पास जाता हूँ और उससे पूछता हूँ, तो उसका शब्द हमेशा त्रुटिहीन होता है। यदि वह कहता है, हाँ, जाओ और लड़ो और मैं तुम्हें जीत दिलाऊंगा, तो आप इस पर भरोसा कर सकते हैं।

आप इन स्थितियों में प्रभु के वचन पर भरोसा कर सकते हैं। और पद 32, क्योंकि प्रभु को छोड़ और कौन परमेश्वर है? और हमारे परमेश्वर को छोड़ चट्टान कौन है? प्रभु ही एकमात्र सच्चा ईश्वर है। वह एकमात्र ईश्वर है जो वास्तव में अपने लोगों को वास्तविक सुरक्षा प्रदान कर सकता है।

प्रभु की अतुलनीयता जिसके बारे में हमने पिछले पाठ में बात की थी। और फिर वह युद्ध की स्थिति का वर्णन करना शुरू करता है। वह ईश्वर ही है जो मुझे शक्ति प्रदान करता है और मेरा मार्ग सुरक्षित रखता है।

वह मेरे पैरों को हिरन के पैरों के समान बना देता है। वह मुझे ऊंचाइयों पर खड़ा करता है। डेविड, अगर आपने कभी इनमें से किसी हिरण को ऊंचे इलाके में दौड़ते देखा है, तो यह आश्चर्यजनक है।

आप कहेंगे, वह जानवर ऐसा कैसे कर सकता है? इसे यात्रा करनी चाहिए. इसे गिरकर इसकी गर्दन तोड़ देनी चाहिए।' लेकिन यह सभी चट्टानों पर छलाँग लगाने में सक्षम है।

और डेविड कहते हैं, युद्ध के मैदान में मुझे ऐसा ही महसूस हुआ। क्योंकि इसके बारे में सोचो, आमने-सामने की लड़ाई में, यदि आप फिसल जाते हैं, यदि आप घायल हो जाते हैं, यदि आपके टखने में मोच आ जाती है या आपका पैर टूट जाता है या ऐसा ही कुछ होता है, तो आप मर चुके हैं। आप नीचे गिरने वाले हैं, आप कमजोर होने वाले हैं और आप मृत होने वाले हैं।

और डेविड मूल रूप से कह रहा है, नहीं, जब मैं युद्ध के मैदान में था, तो मैं चारों ओर कूदने, छलाँग लगाने और इन हिरणों में से एक की चपलता रखने में सक्षम था। वह मेरे हाथों को युद्ध के लिये प्रशिक्षित करता है। मेरी भुजाएँ पीतल के धनुष को झुका सकती हैं।

यह ऐसा है मानो प्रभु आते हैं और वास्तव में डेविड को अपने हथियारों का उपयोग करने का प्रशिक्षण देते हैं। हमने वास्तव में इसे कुछ प्राचीन निकट पूर्वी कला में चित्रित किया है, विशेष रूप से मिस्र से, जहां फिरौन के देवताओं में से एक को धनुष का उपयोग करने और अपने हथियारों का उपयोग करने का तरीका दिखाते हुए चित्रित किया गया है। वह फिरौन को विशेष हथियार देता है और फिर उसे दिखाता है कि उनका उपयोग कैसे करना है।

तुम अपनी बचत को मेरी ढाल बनाओ। आपकी मदद ने मुझे महान बनाया है. तू मेरे पांवोंके लिये चौड़ा मार्ग दे, कि मेरी टखने झुक न जाएं।

मैंने अपने शत्रुओं का पीछा किया और उन्हें कुचल डाला। जब तक वे नष्ट नहीं हो गये, मैं पीछे नहीं लौटा। और फिर वह वर्णन करता है कि कैसे उसके दुश्मन उसके पैरों पर गिर जाते हैं।

उसके पास प्रभु की शक्ति है। वे मदद के लिए चिल्लाते हैं, लेकिन उन्हें बचाने वाला कोई नहीं है। कभी-कभी वे प्रभु को भी रोते हैं।

निश्चय ही, इस्राएलियों ने, जो दाऊद के शत्रु थे, ऐसा किया होगा। लेकिन प्राचीन निकट पूर्व से, हम जानते हैं कि कभी-कभी एक पराजित शत्रु विजेता के भगवान से दया की गुहार लगाता था। लेकिन इस मामले में, प्रभु दाऊद के पक्ष में है और उन्हें प्रभु से कोई समर्थन नहीं मिला।

और डेविड बहुत हिंसक शब्दों में बात करते हैं. मैंने उन्हें धूल के समान बारीक कर दिया। मैंने उन्हें कुचला और कुचला।

और फिर वह कहता है कि प्रभु ने उसे लोगों के सभी हमलों से बचाया है और उसे राष्ट्रों के मुखिया के रूप में संरक्षित किया है। और वह कहता है, जो लोग पहले मुझे जानते तक नहीं थे, जो मुझे उन पर अधिकार रखने वाला नहीं मानते थे, हो सकता है वे मेरे विषय में जानते हों, परन्तु मुझ पर अधिकार रखने वाले को नहीं पहचानते थे, अब वे मेरे बारे में सुनते हैं और वे आते हैं। और मेरी प्रजा बनना चाहते हैं।

और वे मेरे सामने कांपते हुए आते हैं. और यह सब प्रभु और उसके द्वारा प्रदान की गई शक्ति के कारण है। और फिर वह इस कविता को समाप्त करता है, प्रभु जीवित है।

वह पुष्टि करता है कि भगवान एक जीवित भगवान है। और वह वहां दार्शनिक शब्दों में बात नहीं कर रहा है। वह बहुत व्यावहारिक बात कर रहे हैं.

प्रभु जीवित हैं और स्वस्थ हैं। मेरी चट्टान की स्तुति करो. मेरा ईश्वर, चट्टान, मेरा उद्धारकर्ता महान हो।

वह परमेश्वर है जो मेरा बदला लेता है, जो राष्ट्रों को मेरे अधीन कर देता है, जो मुझे मेरे शत्रुओं से स्वतंत्र करता है। तूने मुझे मेरे शत्रुओं से ऊपर उठाया है। तुमने मुझे एक हिंसक आदमी से बचाया।

इसलिये, हे यहोवा, मैं राष्ट्रों के बीच तेरी स्तुति करूंगा। मैं तेरे नाम का भजन गाऊंगा। जब जाति जाति के लोग आकर अपना कर लाएंगे, तब दाऊद उनके साम्हने अपने परमेश्वर की स्तुति करेगा।

वह अपने राजा को महान विजय दिलाता है। वह अपने अभिषिक्त दाऊद और उसके वंशजों पर सदैव अटल कृपा दिखाता है। इसलिए, डेविड युद्ध के मैदान पर प्रभु की सक्षमता और सशक्तिकरण के बारे में बहुत अच्छी तरह से जानता था।

और वह इसके लिए यहां प्रभु की स्तुति करता है। फिर हम 2 शमूएल 23 में डेविड के अंतिम शब्दों की ओर बढ़ते हैं। यह एक बहुत छोटी कविता है, और डेविड इस तथ्य का संदर्भ देने जा रहा है कि वह प्रभु का चुना हुआ सेवक है, जिसे राष्ट्र पर धार्मिकता से शासन करने के लिए चुना गया है।

और वह उस वाचा की ओर संकेत करता है, उस वाचा का उल्लेख करते हुए जो प्रभु ने उसके साथ बाँधी है। तो, यहाँ डेविड ने क्या कहा। यिश्शै के पुत्र दाऊद का प्रेरित कथन, परमप्रधान द्वारा प्रतिष्ठित व्यक्ति का कथन, याकूब के परमेश्वर द्वारा अभिषिक्त व्यक्ति, इस्राएल के गीतों का नायक।

दाऊद इस तथ्य से अवगत है कि प्रभु की आत्मा उसके माध्यम से बोल रही है। एक अर्थ में डेविड एक भविष्यवक्ता है, और निश्चित रूप से, उसने हमें बहुत सारे धर्मग्रंथ, कई, कई भजन दिए हैं। और वह कहता है कि प्रभु की आत्मा ने मेरे माध्यम से बात की।

उनकी बात मेरी जुबान पर थी. इस्राएल का परमेश्वर बोला। इज़राइल की चट्टान ने मुझसे कहा, जब कोई धार्मिकता से लोगों पर शासन करता है, जब वह ईश्वर के भय से शासन करता है, जो एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है, ईश्वर का भय इसका सार है, यह वास्तविक ज्ञान का प्रारंभिक बिंदु है, उसके अनुसार पुराने नियम का ज्ञान साहित्य।

वह बादल रहित सुबह में सूर्योदय के समय की रोशनी की तरह है, बारिश के बाद की चमक की तरह है जो पृथ्वी से घास लाती है। और इसलिए, वह ईश्वर से डरने वाले आदर्श राजा का वर्णन करने के लिए फिर से एक रूपक का उपयोग कर रहा है, यह काव्यात्मक भाषा है। और वह उसकी तुलना भोर की तेज़ रोशनी और बारिश के बाद आने वाली धूप से करता है।

और यह प्रकाश और यह चमक यहां दिव्य मुक्ति, एक नए सिरे से आशीर्वाद का संकेत देती है। और इसलिए, वह एक धर्मी राजा की कल्पना कर रहा है, और मुझे लगता है कि वह ऐसा होने का दावा कर रहा है, जिसके माध्यम से भगवान अपने लोगों को आशीर्वाद और मोक्ष और सुरक्षा प्रदान करते हैं। और वह कहता है, यदि मेरा घर परमेश्वर की दृष्टि में ठीक न होता, पद 5, तो निश्चय वह मेरे साथ ऐसी सदाबहार वाचा न बान्धता, जो हर भाग में व्यवस्थित और सुरक्षित होती।

निश्चय ही, वह मेरा उद्धार पूरा नहीं करेगा और मेरी हर इच्छा पूरी नहीं करेगा। दाऊद समझता है कि प्रभु ने उसे चुना है। और याद रखें, प्रभु ने शुरुआत में ही दाऊद को इसलिए चुना क्योंकि उसने दाऊद के हृदय में क्या देखा था।

और डेविड यहां उसी का जिक्र कर रहे हैं। मैं वह था जो प्रभु के कार्यक्रम के अनुरूप था। मैं उसके मन के अनुसार मनुष्य था, और उस ने मेरे साथ सदा की वाचा बान्धी, और मेरा उद्धार किया।

और फिर वह इस आदर्श राजा की तुलना शत्रुओं, दुष्ट लोगों से करने जा रहा है। सभी बुरे लोगों को काँटों की तरह अलग कर दिया जाना चाहिए जो हाथ से नहीं बटोरे जाते। जो कोई काँटों को छूता है वह लोहे का औजार या भाले की छड़ का उपयोग करता है।

वे जहां लेटे रहते हैं वहीं जला दिये जाते हैं। इसलिए, वह स्वयं की तुलना उस प्रकार के लोगों से करता है। और इसलिए, मुझे लगता है कि डेविड यहां, अपने अंतिम शब्दों में, इस तथ्य का जश्न मना रहा है कि उसका प्रभु के साथ एक विशेष संबंध है।

बेशक, जब हम इन कविताओं को पढ़ते हैं, तो हमें एहसास होता है कि, हां, वे डेविड के अनुभव में सच हैं, लेकिन हम समझते हैं कि डेविड में खामियां थीं। और एक अर्थ यह है कि इन भजनों में जो भाषा बोली गई है, जिसे डेविड ने यहां लिखा है, वह अंततः प्रभु यीशु मसीह, डेविड के पुत्र, पुत्र के लिए राजधानी एस, के माध्यम से पूरी होगी, जो आएगा और वह धर्मी शासक होगा, बिल्कुल धर्मी। शासक, जो प्रभु का अनुसरण करता है और उस वाचा को पूरी तरह से पूरा करता है जो प्रभु ने दाऊद के साथ बनाई थी, जिसमें राष्ट्रों पर शासन करना शामिल है, जैसा कि हम भजन 2 से समझते हैं। और इसलिए, दाऊद के इन भजनों को उसके अनुभव में आंशिक रूप से एहसास हुआ, अंततः हमें आदर्श मसीहा राजा, दाऊद के पुत्र, हमारे प्रभु यीशु मसीह की ओर संकेत करते हैं।

अपने अगले पाठ में, हम 2 शमूएल अध्याय 24 को देखकर शमूएल की पुस्तकों का अपना अध्ययन समाप्त करेंगे।

यह डॉ. बॉब चिशोल्म 1 और 2 सैमुअल पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 27 है। द लॉर्ड इज़ माई रॉक कविता, अध्याय 22; डेविड कविता के अंतिम शब्द, अध्याय 23:1-7।